भारत में परविर्तनों पर मॉर्गन स्टेनले रपिोर्ट

मॉर्गन स्टेनले (वैश्वकि वत्तिीय सेवा फर्म) की हाल की एक रपिोर्ट में पछिले एक दशक में भारत में हुए महत्त्वपूर्ण परविर्तनों पर प्रकाश डाला गया है।

- इस रपिोर्ट में भारत की संवृद्धि क्षमता से संबंधति संदेह को चुनौती देने के साथ इस बात पर बल दयिा गया है कि हाल के वर्षों में भारत में परविर्तनकारी सुधारों पर ज़ोर दयिा गया है।
- मॉर्गन स्टेनले रपिोर्ट में **भारत के खराब प्रदर्शन से संबंधति वैश्वकि दृष्टकिोण को नकारते** हुए कहा गया है कि यह **दूसरी सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के साथ** **शेयर बाज़ार** **के मामले में शीर्ष प्रदर्शन करने में शामलि है।**

रपिोर्ट की मुख्य वशिषताएँ:

- **वकिास के महत्त्वपूर्ण चालक:**
  - **आपूर्तपिक्ष से संबंधति नीतगित सुधार:**
    - नगिम कर को अन्य देशों के समान करना।
    - **अवसंरचना नविेश में तेज़ी आना।**
  - **अर्थव्यवस्था का औपचारकिकरण:**
    - वस्तु और सेवा कर (GST) का बढ़ता संग्रह।
  - दवाला और दवािलयापन संहतिा का कार्यान्वयन।
  - लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण की शुरुआत।
  - प्रत्यक्ष वदिेशी नविेश (FDI) पर ध्यान देना।
  - कॉर्पोरेट मुनाफे को सरकार का समर्थन।
  - सामाजकि हस्तांतरण का डजिटिलीकरण।
  - रयिल एस्टेट (वनियिमन और वकिास) अधनियिम।
  - बहुराष्ट्रीय नगिमों (MNC) के बीच उच्च भावना।
  - **इंडयिा 401(k) मोमेंट**।

नोट:

इंडयिा 401(k) मोमेंट:

- इंडयिा 401(k) मोमेंट, **मॉर्गन स्टेनले द्वारा उपयोग कयिा जाने वाला शब्द** है, जसिका उपयोग मोमेंट का वर्णन करने के लयि कयिा जाता है, **जो US 401(k) सेवानवृित्त बिचत योजना से प्रेरति घरेलू बचत और वत्तिीय संपत्तयिों में नविेश को संदर्भति करता है।**
- यह बदलाव सोने और अचल संपत्ति जैसी **भौतकि परसिंपत्तयिों** से लेकर **इक्वटिी और बॉण्ड जैसी वत्तिीय परसिंपत्तयिों की एवं घरेलू प्राथमकिताओं** में परविर्तन को दर्शाता है।
- इंडयिा 401(k) मोमेंट की प्रमुख वत्तिीय परसिंपत्तयिों में **म्युचुअल फंड, बीमा और पेंशन योजनाएँ** शामलि हैं।

- **आर्थकि संकेतक:**
  - सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के प्रतशित के रूप में वनिरि्माण और पूंजीगत व्यय में **लगातार वृद्धि हुई है।**
  - नरि्यात बाज़ार में हस्सिेदारी वर्ष 2031 तक **(2021 के स्तर से) दोगुनी होकर 4.5%** होने का अनुमान है।
  - मुद्रास्फीति **में कम अस्थरिता** और कम ब्याज दर चक्रों ने खपत पैटर्न को प्रभावति कयिा है।
- **भवषि्य का दृष्टकिोण:**
  - **सकल घरेलू उत्पाद में वनिरि्माण और पूंजीगत व्यय में वृद्धि** का अनुमान।
  - **माल और सेवाओं के नरि्यात में व्यापक लाभ** अपेक्षति।
  - **प्रतिव्यक्ति आय बढ़ने का अनुमान** है जसिका नहितिार्थ यह है कि ववििकाधीन खपत में भी वृद्धि होगी।
    - अगले दशक में इसके **5,200 डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद** है।
  - ढाँचागत बदलावों के चलते **चालू खाता घाटा (CAD)** कम हुआ है।

        - सकल घरेलू उत्पाद में लाभ के दोगुना होने से आय में प्रबल वृद्धि हुई है।
- **शेयर बाज़ार पर प्रभाव:**
    - **घरेलू शेयरों के मूल्य बढ़ने की संभावना** है, जिससे निवेश के अवसर बढ़ सकते हैं।
    - **भारत में शेयरों** की मांग मज़बूत रहने की आशा है, जो कि **बाज़ार में निरंतर वृद्धि** में योगदान देगा।
    - वैश्विक पूंजी प्रवाह पर भारत की कम निर्भरता एक **अधिक स्थिर शेयर बाज़ार** में योगदान कर सकती है, जो **अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम सुभेद्य** होगा।
        - **तेल की कीमतों** में बदलाव और अमेरिकी **मंदी** से **शेयर बाज़ार अल्प प्रभावित हो सकता है**।
    - **उभरते बाज़ारों के लिये भारत का बीटा** 0.6 तक नीचे आ गया है, जो वैश्विक पूंजी बाज़ार प्रवाह पर कम निर्भरता का परिणाम है।

नोट:

- **बीटा:**
    - बीटा व्यवस्थित जोखिम का एक उपाय है, जिसे बाज़ार जोखिम या गैर-विविध जोखिम के रूप में भी जाना जाता है। यह प्रमाणित करता है कि व्यापक बाज़ार में किसी स्टॉक का रिटर्न कितना संवेदनशील है।
    - बीटा का मान 1 यह इंगित करता है कि स्टॉक बाज़ार के अनुरूप चलता है, जबकि बीटा का मान 1 से अधिक बताता है कि स्टॉक बाज़ार की तुलना में अधिक अस्थिर है।
    - बीटा का मान 1 से कम इंगित करता है कि शेयर बाज़ार की तुलना में यह कम अस्थिर है।

- **प्रत्याशित प्रमुख जोखिम:**
    - वैश्विक मंदी।
    - कमोडिटी/पण्य की कीमतों में तीव्र वृद्धि और आपूर्ति में कमी।
    - **कुशल श्रम आपूर्ति** में कमी।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न. वित्त के संदर्भ में, "बीटा" शब्द किसे निर्दिष्ट करता है: (2023)

(a) अलग-अलग प्लेटफॉर्मों से साथ-साथ किसी परिसंपत्ति को खरीदने और बेचने की प्रक्रिया
(b) किसी पोर्टफोलियो प्रबंधक की जोखिम और प्रतिफल के बीच संतुलन लाने की निवेश प्रक्रिया
(c) एक प्रकार का व्यवस्थागत जोखिम, जो वहाँ उत्पन्न होता है जहाँ पूर्ण प्रतिरक्षा संभव नहीं है
(d) एक संख्यात्मक मान जो पुरे स्टॉक बाज़ार में होने वाले परिवर्तनों के प्रति किसी स्टॉक के विचलनों को मापता है

उत्तर: (d)

स्रोत: फाइनेंसियल एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-transformation-morgan-stanley-s-report